

राजस्व अपील प्राधिकारी, जयपुर

<p>तारीख हुक्म</p>	<p>112 2009</p> <p>इ 2002 माम / साधनाशायण</p> <p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नंबर व तारीख अ काम जो इस हुक्म का सामना में जारी हुए</p>
--------------------	---	---

15/6/17

अभिभावक पक्षकार उपस्थित।
काज कन्ट्रोलेंस हो जाने। R.A.A. कलेक्टर
अवकाश पर होने/अन्य प्रशासकीय कार्य
होने/राजकीय अवकाश होने के कारण
मिसल पूर्व आदेशानुसार दिनांक 12/10/17
को पेश हो।

12/10/17

अभि. अपीलान्त/रेस्पों उपस्थित
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल
दिनांक 10/11/18 को पेश हो।

10/11/18

पगावली तक्रुर उई। काथि - डनप्रदा उपास्थित।
काथिवस्वा कपीलायी ने निवेदन किया कि
इस 225 साधनाशायण काश्तकारी काथिकिपम
की कपील से सम्बाधित मूल बाड का
निस्तारण ही काथिकिपम न्यायालय द्वारा
किया जा चुकी है। जिससे यह कपील
सारहीन हो गई है इसलिये स्थापित करार
जावे। चूकी काथिवस्वा कपीलायी के कथनानुसार
इस 225 साधनाशायण काश्तकारी काथिकिपम
की कपील से सम्बाधित मूल बाड को
काथिकिपम न्यायालय द्वारा किस्तारित कर
दिया गया है। कतः जब यह कपील सारहीन
हो गई है। कतः कपील कपीलायी सारहीन
होने से स्थापित की जाती है। तदनुसार
पगावली केसल शुमार होकर बाड
तकमील काथिकिपम उपर ही आदेश
सुनाया गया।

कपील का मय
2002 माम
काथिकिपम